मॉडल प्रश्न-पत्र (दोहराई हेतु)

ऐम०बी०डी० मॉडल प्रश्न-पत्र—1

इतिहास

CLASS–XII

निर्धारित समय : 3 घंटे **कुल अंक : 80**

सामान्य निर्देश—

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक प्रश्न के साथ दिए गए हैं।
2. **2** अंक वाले प्रश्नों (Part 'A'—**प्रश्न 1 से 3**) के उत्तर 30 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
3. **4** अंक वाले प्रश्नों (Part 'B'—Section I, **प्रश्न 4 से 9**) के उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए। कम-से-कम पाँच प्रश्नों को हल करें।
4. प्रश्न **10** (**4** अंक) मूल्य आधारित (Value Based) है। यह प्रश्न अनिवार्य है।
5. **8** अंक वाले प्रश्नों (Part 'C'—**प्रश्न 11 से 13**) के उत्तर 350 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
6. Part 'D' में **प्रश्न 14-16** में स्रोतों पर आधारित प्रश्न दिए गए हैं। इनमें कोई आंतरिक विकल्प नहीं है।
7. **प्रश्न 17** मानचित्र को उत्तर-पुस्तिका में नत्थी कीजिए (Part E)।

PART-A

नीचे दिए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए— **(2 × 3 = 6)**

1. हड़प्पा संस्कृति अथवा सिंधु घाटी सभ्यता की मुहरों की संक्षिप्त जानकारी दीजिए। **2**

2. अल-बिरूनी के लेखन कार्य की कोई दो विशेषताएँ बताओ। **2**

3. चरखे को राष्ट्रवाद का प्रतीक क्यों चुना गया? कोई दो तर्क दीजिए। **2**

PART–B

SECTION-I

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए— **(4 × 5 = 20)**

4. हड़प्पा लोगों के निर्वाह के तरीके कौन-कौन से थे? **4**

5. स्पष्ट कीजिए कि विशिष्ट परिवारों में पितृवंशिकता क्यों अनिवार्य रही होगी? **4**

6. इब्न बतूता द्वारा दास-प्रथा के संबंध में दिए गए साक्ष्यों का विवेचन कीजिए। **4**

7. प्रारंभिक भक्ति परंपरा की मुख्य विशेषताएँ बताइए। **4**

8. बंगाल के इस्तमरारी बंदोबस्त कब और किसने लागू किया? इसे लागू करने के पीछे क्या विचार काम कर रहे थे? **4**

9. औपनिवेशिक शहरों में रिकॉर्ड्स सँभालकर क्यों रखे जाते थे? **4**

SECTION-II

मूल्य आधारित प्रश्न (अनिवार्य)

10. आधुनिक भारत के वैज्ञानिक विकास मार्ग वाले को प्रशस्त करने में मूल्य किस प्रकार समृद्ध भारतीय साहित्य से जुड़े हैं? स्पष्ट कीजिए। **4**

PART-C

दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न—

11. ग्रामीण भारत में बसे हुए लोगों की खेती के अलावा भी बहुत कुछ था। कथन को मुगल काल के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। **8**

Model Test Paper-F.pmd 1 2/12/2018, 12:29 PM

अथवा

"अपनी सीमाओं के बावजूद आइन-ए-अकबरी अपने समय के लिए एक असामान्य व अनोखा दस्तावेज बना हुआ है।" कथन को स्पष्ट कीजिए।

12. अशोक के अभिलेखों में मौर्यों का क्या वर्णन मिलता है। अभिलेखों साक्ष्यों की सीमाओं का वर्णन कीजिए। **8**

अथवा

महाजनपदों की कुछ विशिष्टताओं का उल्लेख कीजिए। मगध किस प्रकार सबसे शक्तिशाली महाजनपद बना? स्पष्ट कीजिए।

13. 'पाँचवी रिर्पोट' इंग्लैण्ड में गंभीर वाद-विवाद का आधार क्यों बनी? स्पष्ट कीजिए। **8**

अथवा

अमेरिकी गृहयुद्ध ने भारत में रैयत समुदाय के जीवन को कैसे प्रभावित किया?

PART-D

स्त्रोत आधारित प्रश्न **(7 × 3 = 21)**

14. नीचे दिए गए उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

एक धनाढ्य शूद्र

यह कहानी पालि भाषा के बौद्ध ग्रंथ *मज्झिमनिकाय* से है जो एक राजा अवंतिपुत्र और बुद्ध के अनुयायी कच्चन के बीच हुए संवाद का हिस्सा है। यद्यपि यह कहानी अक्षरश: सत्य नहीं थी तथापि यह बौद्धों के वर्ण संबंधी रवैये को दर्शाती है।

अवंतिपुत्र ने कच्चन से पूछा कि ब्राह्मणों के इस मत के बारे में उनकी क्या राय है, कि वे सर्वश्रेष्ठ हैं और अन्य जातियाँ निम्न कोटि की हैं; ब्राह्मण का वर्ण शुभ्र है और अन्य जातियाँ काली हैं; केवल ब्राह्मण पवित्र हैं अन्य नहीं; ब्राह्मण ब्रह्मा के पुत्र हैं, ब्रह्मा के मुख से जन्मे हैं, उनसे ही रचित हैं तथा ब्रह्मा के वंशज हैं।

कच्चन ने उत्तर दिया : ''क्या यदि शूद्र धनी होता..... दूसरा शूद्र..... अथवा क्षत्रिय या फिर ब्राह्मण अथवा वैश्य..... उससे विनीत स्वर में बात करता?''

अवंतिपुत्र ने प्रत्युत्तर में कहा कि यदि शूद्र के पास धन अथवा अनाज, स्वर्ण या फिर रजत होती वह दूसरे शूद्र को अपने आज्ञाकारी सेवक के रूप में प्राप्त कर सकता था, जो उससे पहले उठे और उसके बाद विश्राम करे; जो उसकी आज्ञा का पालन करे, विनीत वचन बोले; अथवा वह क्षत्रिय, ब्राह्मण या फिर वैश्य को भी आज्ञावादी सेवक बना सकता था।

कच्चन ने पूछा, ''यदि ऐसा है, तो क्या फिर वह चारों वर्ण एकदम समान नहीं हैं?''

अवंतिपुत्र ने यह स्वीकार किया कि इस आधार पर चारों वर्णों में कोई भेद नहीं है।

(*i*) यह कहानी किस ग्रंथ से ली गई है? इसकी भाषा कौन-सी है? **1**

(*ii*) कच्चन कौन थे? अवंतिपुत्र ने किस बारे में उसकी राय जाननी चाही? **2**

(*iii*) जन्म के आधार पर सामाजिक प्रतिष्ठा का दावा कौन करते थे? बौद्धों का इसके प्रति क्या दृष्टिकोण था? **4**

15. दिए गए उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

अकबर के शासन में भूमि का वर्गीकरण

आइन में वर्गीकरण के मापदंड की निम्नलिखित सूची दी गई है :

अकबर बादशाह ने अपनी गहरी दूरदर्शिता के साथ ज़मीनों का वर्गीकरण किया और हरेक (वर्ग की ज़मीन) के लिए अलग-अलग राजस्व निर्धारित किया। *पोलज* वह ज़मीन है जिसमें एक के बाद एक हर फ़सल की सालाना खेती होती है और जिसे कभी खाली नहीं छोड़ा जाता है। *परौती* वह ज़मीन है जिस पर कुछ दिनों के लिए खेती रोक दी जाती है ताकि वह अपनी खोयी ताकत वापस पा सके। *चचर* वह ज़मीन है जो तीन या चार वर्षों तक खाली रहती है। *बंजर* वह ज़मीन है जिस पर पाँच या उससे ज़्यादा वर्षों से खेती नहीं की गई हो। पहले दो प्रकार की ज़मीन की तीन किस्में हैं, अच्छी, मध्यम और खराब। वे हर किस्म की ज़मीन के उत्पाद को जोड़ देते हैं, और इसका तीसरा हिस्सा मध्यम उत्पाद माना जाता है, जिसका एक-तिहाई हिस्सा शाही शुल्क माना जाता है।

(*i*) किन्हीं तीन प्रकार की ज़मीनों की संक्षिप्त जानकारी दीजिए। **3**

(*iii*) परती तथा चचर ज़मीनों की कौन-कौन सी तीन किस्में थीं? **2**

(*iii*) शाही शुल्क किस प्रकार निश्चित किया जाता था? **2**

16. दिए गए उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

ग्रामीण क्षेत्रों की ओर पलायन

1857 में ब्रिटिश सेना द्वारा शहर पर अधिकार करने के बाद दिल्ली के लोगों ने क्या किया, इसका वर्णन प्रसिद्ध शायर मिर्ज़ा ग़ालिब इस प्रकार करते हैं—

दुश्मन को पराजित करने और भगा देने के बाद, विजेताओं (ब्रिटिश) ने सभी दिशाओं से शहर को उजाड़ दिया। जो सड़क पर मिले उन्हें काट दिया गया....। दो से तीन दिनों तक कश्मीरी गेट से चाँदनी चौक तक शहर की हर सड़क युद्धभूमि बनी रही। तीन द्वार-अजमेरी, तुर्कमान तथा दिल्ली-अभी भी विद्रोहियों के क़ब्जे में थे.....। इस प्रतिशोधी आक्रोश तथा घृणा के नंगे नाच से लोगों के चेहरों का रंग उड़ गया, और बड़ी संख्या में पुरुष और महिलाएँ.... इन तीनों द्वारों से हड़बड़ा कर पलायन करने लगे। शहर के बाहर छोटे गाँवों और देवस्थलों में शरण ले अपनी वापसी के अनुकूल समय का इंतज़ार करते रहे।

(*i*) मिर्ज़ा ग़ालिब कौन था? इस उद्धरण में उसने किस बात का वर्णन किया है? **1**

(*ii*) दिल्ली पर पुनः अधिकार कर लेने के दो-तीन दिन बाद तक दिल्ली में क्या हुआ? **3**

(*iii*) लोगों ने दिल्ली से पलायन कैसे किया और उन्होंने कहाँ शरण ली? **3**

PART-E

17.1 भारत के दिए हुए राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर निम्नलिखित को उपयुक्त चिह्नों से अंकित कीजिए तथा उसके नाम लिखिए: **5 × 1 = 5**

(a) नागेश्वर (b) कृष्णदेव राय का शासन क्षेत्र

17.2 भारत के दिए गए इसी राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के महत्त्वपूर्ण केंद्र A, B, और C दिए गए हैं। उन्हें पहचानिए तथा उनके सही नाम खींची गई रेखाओं पर लिखिए। :

प्रश्न संख्या 17.1 तथा 17.2 के लिए मानचित्र

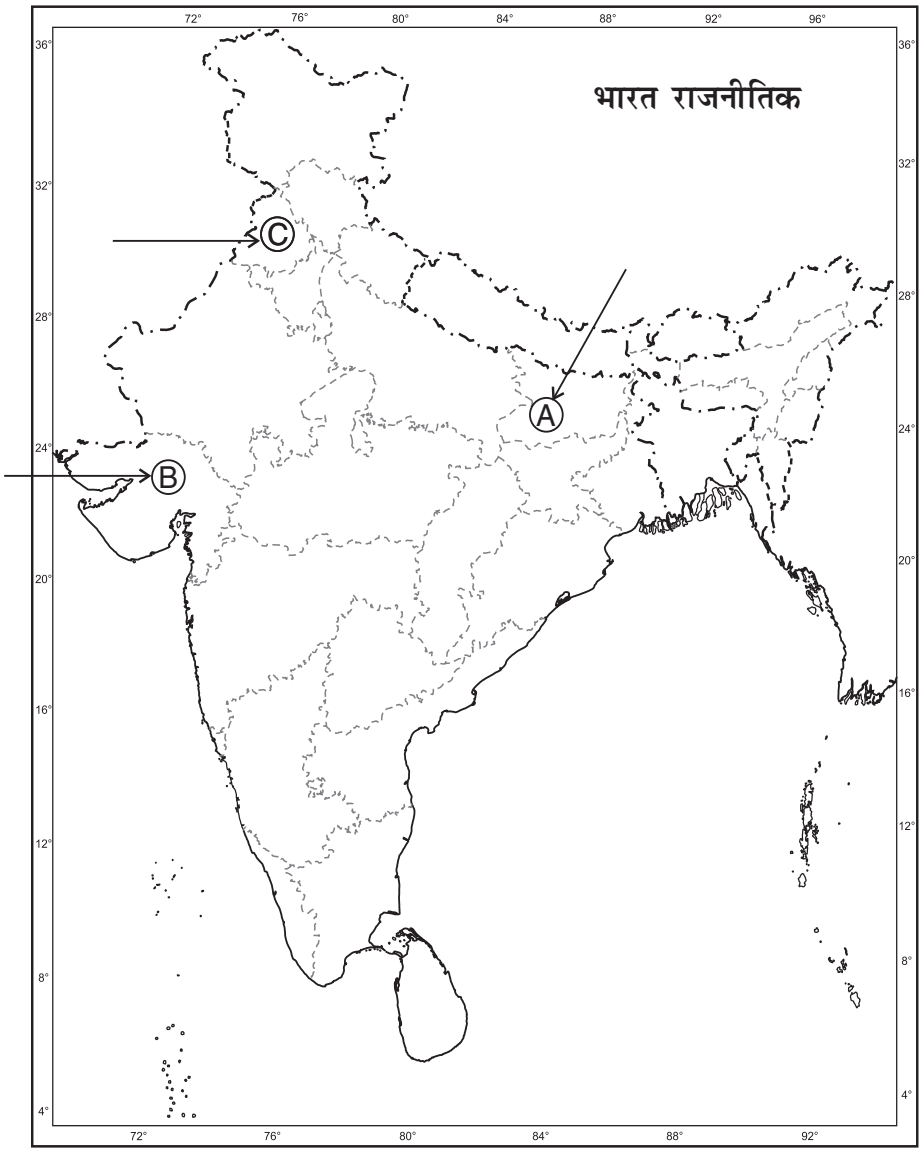

ऐम०बी०डी० मॉडल प्रश्न-पत्र—2

इतिहास

CLASS–XII

निर्धारित समय : 3 घंटे **कुल अंक : 80**

सामान्य निर्देश—सामान्य निर्देश के लिए पृष्ठ संख्या M-1 देखें।

PART-A

नीचे दिए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए— **(2 × 3 = 6)**

1. हड़प्पा-पूर्व की बस्तियों की क्या विशेषताएँ थीं? कोई दो लिखिए। **2**

2. यात्रा-वृत्तांतों को कौन-सी बात अधिक रोचक बनाती है? **2**

3. आम लोग भारत-विभाजन (1947) को किस तरह देखते थे? **2**

PART–B

SECTION-I

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए— **(4 × 5 = 20)**

4. हड़प्पा लिपि पर एक संक्षिप्त नोट लिखो। **4**

5. क्या आरंभिक राज्यों में शासक निश्चित रूप से क्षत्रिय ही थे? चर्चा कीजिए। **4**

6. उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए कि संप्रदाय के समन्वय से इतिहासकार क्या अर्थ निकालते हैं? **4**

7. वाणिज्यिक खेती के प्रसार ने जंगलवासियों के जीवन को कैसे प्रभावित किया? **4**

8. कंपनी ने ज़मींदारों को नियंत्रित तथा उनकी स्वायत्तता को सीमित करने के लिए क्या-क्या पग उठाए? **4**

9. बँटवारे के सवाल पर कांग्रेस की सोच कैसे बदली?

SECTION-II

मूल्य आधारित प्रश्न (अनिवार्य)

10. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **4**

किंतु, संथालों ने भी जल्दी ही यह समझ लिया कि उन्होंने जिस भूमि पर खेती करनी शुरू की थी वह उनके हाथों से निकलती जा रही है। संथालों ने जिस ज़मीन को साफ़ करके खेती शुरू की थी उस पर सरकार (राज्य) भारी कर लगा रही थी, साहूकार (दिकू) लोग बहुत ऊँची दर पर ब्याज लगा रहे थे और कर्ज़ अदा न किए जाने की सूरत में ज़मीन पर ही कब्जा कर रहे थे, और ज़मींदार लोग दामिन इलाके पर अपने नियंत्रण का दावा कर रहे थे।

1850 के दशक तक, संथाल लोग यह महसूस करने लगे थे कि अपने लिए एक आदर्श संसार का निर्माण करने के लिए, जहाँ उनका अपना शासन हो, ज़मींदारों, साहूकारों और औपनिवेशिक राज के विरुद्ध विद्रोह करने का समय अब आ गया है। 1855-56 के संथाल विद्रोह के बाद संथाल परगने का निर्माण कर दिया गया, जिसके लिए 5,500 वर्गमील का क्षेत्र भागलपुर और वीरभूम ज़िलों में से लिया गया। औपनिवेशिक राज को आशा थी कि संथालों के लिए नया परगना बनाने और इसमें कुछ विशेष लागू करने से संथाल लोग संतुष्ट हो जाएँगे।

(*i*) संथाल आंदोलन को आप किस तरह न्यायसंगत ठहराएँगे? **2**

(*ii*) उपरोक्त उद्धरण से आप किन मूल्यों का निष्कर्ष लगा सकते हैं? **2**

Model Test Paper-F.pmd 4 2/12/2018, 12:29 PM

PART-C

दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न— **(8 × 3 = 24)**

11. मुगलकाल के दौरान गावों में पंचायतों की भूमिका की परख कीजिए। **8**

अथवा

मुगलकाल काल के दौरान कृषि समाज में महिलाओं की भूमिका और स्थिति की परख कीजिए।

12. ब्रिटिश भारत के विभाजन के इतिहास को समझने के लिए मौखिक गवाहियों के विशिष्ट पहलुओं का विश्लेषण कीजिए। **8**

अथवा

ब्रिटिश भारत को विभाजित करने वाली विविध-घटनाओं की परख कीजिए।

13. अठारहवीं सदी में शहरी केन्द्रों का रूपांतरण किस तरह हुआ? **8**

अथवा

औपनिवेशिक शासन में नये नगरों के सामाजिक जीवन में आए किन्हीं चार बदलावों की व्याख्या कीजिए।

PART-D

स्त्रोत आधारित प्रश्न **(7 × 3 = 21)**

14. दिए गए उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

अब तक खोजी गई प्राचीनतम प्रणाली

नालियों के विषय में मैके लिखते हैं : ''निश्चित रूप से यह अब तक खोजी गई सर्वथा संपूर्ण प्राचीन प्रणाली है।'' हर आवास को गली की नालियों से जोड़ा गया था। मुख्य नाले गारे में जमाई गई ईंटों से बने थे और इन्हें ऐसी ईंटों से ढका गया था जिन्हें सफ़ाई के लिए हटाया जा सके। कुछ स्थानों पर ढकने के लिए चूना-पत्थर की पट्टिका का प्रयोग किया गया था। घरों की नालियाँ पहले एक हौदी या मलकुंड में खाली होती थीं जिसमें ठोस पदार्थ जमा हो जाता था और गंदा पानी गली की नालियों में बह जाता था। बहुत लंबे नालों में कुछ अंतरालों पर सफ़ाई के लिए हौदियाँ बनाई गई थीं। यह पुरातत्व का एक अजूबा ही है कि ''मलबे, मुख्यत: रेत के छोटे-छोटे ढेर सामान्यत: निकासी के नालों के अगल-बगल पड़े मिले हैं जो दर्शाते हैं ..... कि नालों की सफ़ाई के बाद कचरे को हमेशा हटाया नहीं जाता था।''

अर्नेस्ट मैके, अर्ली इंडस सिविलाइज़ेशन, 1948

जल निकास-प्रणालियाँ केवल बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं थीं बल्कि ये कई छोटी बस्तियों में भी मिली थीं। उदाहरण के लिए, लोथल में आवासों के निर्माण के लिए जहाँ कच्ची ईंटों का प्रयोग हुआ था, वहीं नालियाँ पक्की ईंटों से बनाई गई थीं।

(*i*) ये नालियाँ कहाँ की हैं? **1**

(*ii*) यहाँ के घरों का सबसे रोचक पहलू क्या था? इसके पक्ष में दो कारण बताओ। **2**

(*iii*) नालियों के अतिरिक्त यहाँ के घरों की कोई चार अन्य विशेषताएँ बताओ। **4**

15. दिए गए उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

बाज़ार में संगीत

यहाँ इब्न बतूता द्वारा दौलताबाद के विवरण से एक अंश दिया जा रहा है :

दौलताबाद में पुरुष और महिला गायकों के लिए एक बाज़ार है जिसे *ताराबाद* कहते हैं। यह सबसे विशाल और सुंदर बाज़ारों में से एक है। यहाँ बहुत-सी दुकानें हैं और प्रत्येक दुकान में एक ऐसा दरवाज़ा है जो मालिक के आवास में खुलता है.... दुकानों को कालीनों से सजाया गया है और दुकान के मध्य में झूला है जिस पर गायिका बैठती है। वह सभी प्रकार की भव्य वस्तुओं से सजी होती है और उसकी सेविकाएँ उसे झूला झुलाती हैं। बाज़ार के मध्य में एक विशाल गुंबद खड़ा है जिसमें कालीन बिछाए गए हैं और सजाया गया है। इसमें प्रत्येक गुरुवार सुबह की इबादत के बाद संगीतकारों के प्रमुख, अपने सेवकों और दासों के साथ स्थान ग्रहण करते हैं। गायिकाएँ एक के बाद एक झुंडों में उनके समक्ष आकर सूर्यास्त का गीत गाती और नाचती हैं जिसके पश्चात् वे

चले जाते हैं। इस बाज़ार में इबादत के लिए मस्जिदें बनी हुई हैं.... हिंदू शासकों में से एक... जब भी बाज़ार से गुजरता था, गुंबद में उतर कर आता था और गायिकाएँ उसके समक्ष गान प्रस्तुत करती थीं। यहाँ तक कि कई मुस्लिम शासक भी ऐसा ही करते थे।

(*ii*) ताराबाद क्या था? इसकी कोई तीन विशेषताएँ बताओ। **2**

(*iii*) बाज़ार के मध्य स्थित विशाल गुंबद में गुरुवार सुबह की इबादत के बाद क्या कार्यक्रम चलता था? **3**

(*iv*) बाज़ार के गुंबद में आने पर हिंदू शासक का स्वागत किस प्रकार किया जाता था? **2**

16. दिए गए उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

नमक सत्याग्रह क्यों?

नमक विरोध का प्रतीक क्यों था? इसके बारे में महात्मा गांधी ने लिखा है :

प्रतिदिन प्राप्त होने वाली सूचनाओं से पता चलता है कि कैसे अन्यायपूर्ण तरीके से नमक कर को तैयार किया गया है। बिना कर (जो कभी-कभी नमक के मूल्य का चौदह गुना तक होता था) अदा किए गए नमक के प्रयोग को रोकने के लिए सरकार उस नमक को, जिसे वह लाभ पर नहीं बेच पाती थी, नष्ट कर देती थी। अत: यह राष्ट्र की अत्यधिक महत्त्वपूर्ण आवश्यकता पर कर लगाती है; यह जनता को इसके उत्पादन से रोकती है और प्रकृति ने जिसे बिना किसी श्रम के उत्पादित किया है उसे नष्ट कर देती है। अत: किसी भी वजह से किसी चीज़ को स्वयं प्रयोग न कर पाने तथा अन्य को भी उसका प्रयोग न करने देने तथा ऐसे में उस चीज़ को नष्ट कर देने की इस अन्यायपूर्ण नीति को किसी भी विशेषण द्वारा नहीं बताया जा सकता है। विभिन्न स्रोतों से मैं भारत के सभी भागों में इस राष्ट्र की संपत्ति को बेलगाम ढंग से नष्ट किए जाने की कहानियाँ सुन रहा हूँ। टनों न सही पर कई मन नमक कोंकण तट पर नष्ट कर दिया गया बताया गया है। दाँडी से भी इस तरह की बातें पता चली हैं। जहाँ कहीं भी ऐसे क्षेत्रों के आस-पास रहने वाले लोगों द्वारा अपने व्यक्तिगत प्रयोग हेतु प्राकृतिक नमक उठा ले जाने की संभावना दिखती है वहाँ तुरंत अधिकारी नियुक्त कर दिए जाते हैं जिनका एकमात्र कार्य विनाश करना होता है। इस प्रकार बहुमूल्य राष्ट्रीय संपदा को राष्ट्रीय खर्चे से ही नष्ट किया जाता है और लोगों के मुँह से नमक छीन लिया जाता है।

नमक एकाधिकार एक तरह से चौतरफ़ा अभिशाप है। यह लोगों को बहुमूल्य सुलभ ग्राम उद्योग से वंचित करता है। प्रकृति द्वारा बहुतायत में उत्पादित संपदा का यह अतिशय विनाश करता है। इस विनाश का मतलब ही है और अधिक राष्ट्रीय खर्च। चौथा और इस मूर्खता का चरमोत्कर्ष भूखे लोगों से हज़ार प्रतिशत से अधिक की उगाही है।

सामान्य जन की उदासीनता की वजह से ही लंबे समय से यह कर अस्तित्व में बना रहा। आज जनता पर्याप्त रूप से जाग चुकी है। अतएव इस कर को समाप्त करना होगा। कितनी जल्दी इसे खत्म कर दिया जाएगा यह लोगों की क्षमता पर निर्भर करता है।

दि कलेक्टेड वर्क्स ऑफ़ महात्मा गांधी (सी० डब्ल्यू० एम० जी०) खंड 49

(*i*) अंग्रेज़ी सरकार नमक को क्यों नष्ट कर देती थी? **2**

(*ii*) गांधीजी इसे अन्यायपूर्ण नीति क्यों मानते थे? **2**

(*iii*) गांधीजी ने किन तीन तर्कों द्वारा नमक एकाधिकार को चौतरफ़ा विनाश सिद्ध किया है? **3**

PART-E

17. 1 भारत के दिए हुए राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर निम्नलिखित को उपयुक्त चिह्नों से दर्शाइये तथा उसने नाम लिखिए: **5 × 1 = 5**

(a) राखी गढ़ी

(b) आगरा – मुगलों का राजधानी शहर।

17. 2 भारत के दिए गए इसी राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के महत्त्वपूर्ण केंन्द्र A, B, और C अंकित किए गए हैं। उन्हें पहचानिए तथा उनके निकट खींची गई रेखाओं पर उनके सही नाम लिखिए। :

प्रश्न संख्या 17.1 तथा 17.2 के लिए मानचित्र

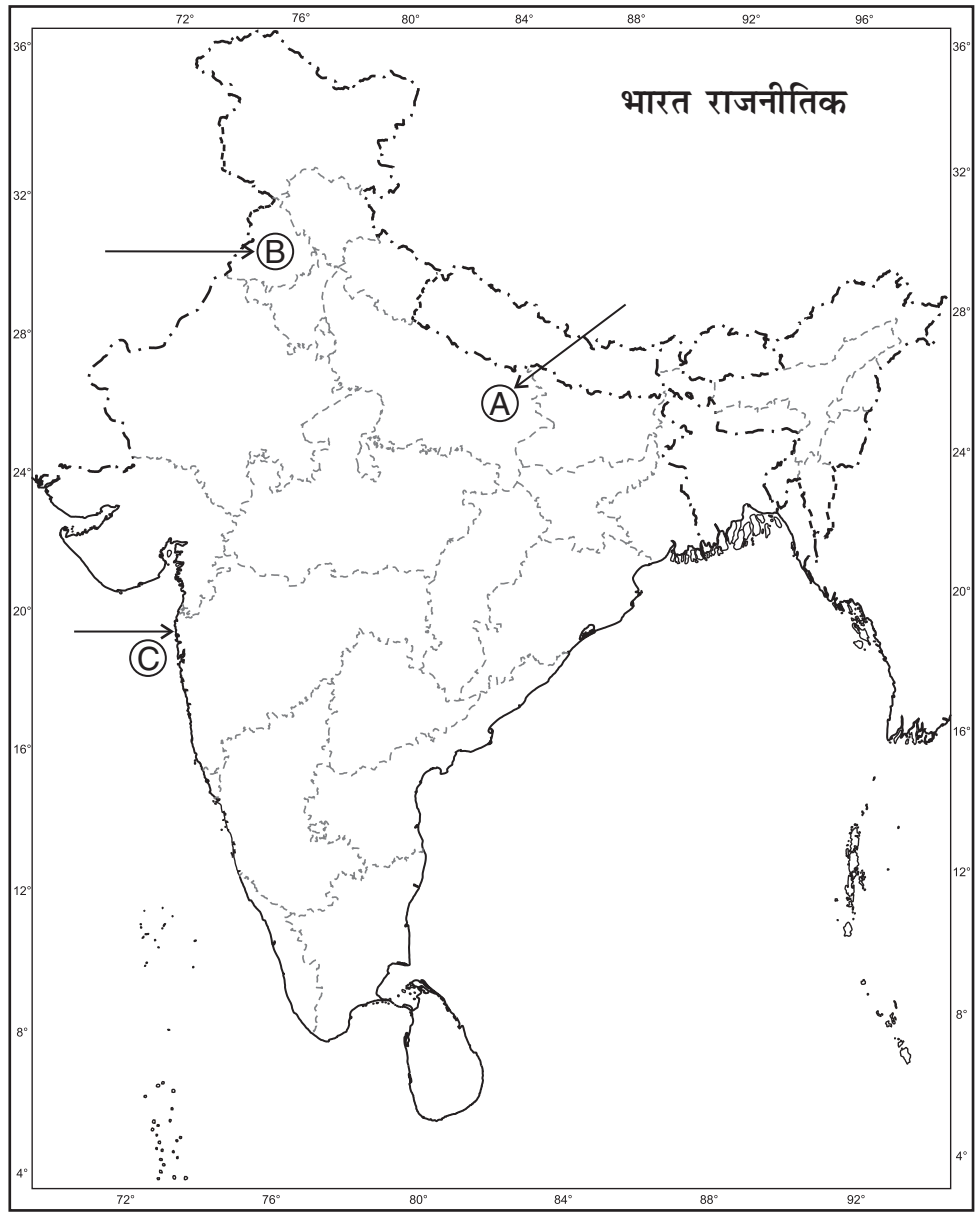

ऐम०बी०डी० मॉडल प्रश्न-पत्र—3

इतिहास

CLASS–XII

निर्धारित समय : 3 घंटे **कुल अंक : 80**

सामान्य निर्देश—सामान्य निर्देश के लिए पृष्ठ संख्या M-1 देखें।

PART–A

नीचे दिए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए— **(2 × 3 = 6)**

1. हड़प्पा सभ्यता के पालतू जानवर कौन-कौन से थे? उस समय के जंगली जानवरों के नाम भी बताओ। **2**
2. 'तांत्रिक पूजा' पद्धति क्या थी? इसकी कोई दो विशेषताएँ बताओ। **2**
3. उद्देश्य प्रस्ताव में किन आदर्शों पर ज़ोर दिया गया था? कोई दो लिखिए। **2**

PART-B

SECTION-I

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए— **(4 × 5 = 20)**

4. वर्ण-व्यवस्था क्या थी? विभिन्न वर्णों के लिए क्या-क्या आदर्श जीविकाएँ निर्धारित की गई थीं? **4**
5. क्या उपनिषदों के दार्शनिकों के विचार नियतिवादियों और भौतिकवादियों से भिन्न थे? अपने जवाब के पक्ष में तर्क दीजिए। **4**
6. किताब-उल-हिंद पर एक लेख लिखिए। **4**
7. मुग़लकाल में कृषि में प्रयुक्त होने वाली तकनीकों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। **4**
8. किसान महात्मा गांधी को किस तरह देखते थे? **4**
9. स्थापत्य शैलियाँ ऐतिहासिक दृष्टि से किस प्रकार महत्त्वपूर्ण हैं? **4**

SECTION-II

मूल्य आधारित प्रश्न (अनिवार्य)

10. **निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **4**

हमारे संविधान का दूसरा महत्त्वपूर्ण अभिलक्षण था धर्मनिरपेक्षता पर बल। संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्षता के गुण तो नहीं गाए गए थे परंतु संविधान व समाज को चलाने के लिए भारतीय संदर्भ में उसके मुख्य अभिलक्षणों का ज़िक्र आदेश रूप में किया गया था। सभी मूल अधिकारों की शृंखला को जिसके ज़रिए किया गया, विशेषक 'नामक स्वतंत्रता' (अनुच्छेद 25, 250) ''सांस्कृतिक व शैक्षिक अधिकार'' अनुच्छेद 29, 30) तब ''समानता का अधिकार'' (अनुच्छेद 14, 16, 17) राज्य में सभी धर्मों के प्रति समान व्यवहार की गारंटी दी और उन्हें हितैषी संस्थाएँ बनाए रखने का अधिकार भी दिया।

(*i*) इस अनुच्छेद के अनुसार हमारा संविधान किस सामाजिक मूल्य पर बल देता है? **1**

(*ii*) इस आदर्श को बनाए रखने के लिए मूल अधिकारों में किन-किन मूल्यों को जोड़ा गया? आप इस आदर्श की रक्षा के लिए कौन-सा गुण अपनाना चाहेंगे? **3**

PART-C

दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न—

11. मुगलकाल में जमींदारों की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। **(8 × 3 = 24)**

अथवा

सोलहवीं और सत्रहवीं सदी में जगंलवासियों की जिंदगी किस तरह बदल गई?

12. भारत के संविधान सभा में भाषा के मुददे पर काफी बहस हुई। सभा के सदस्यों द्वारा इस विषय पर दी गई दलीलों की परख कीजिए। **8**

अथवा

भारत की संविधान सभा ने केन्द्र सरकार की शक्तियों का संरक्षण किस प्रकार किया? स्पष्ट कीजिए।

13. छठी शताब्दी ई०पू० से छठी शताब्दी ईसवी की भूमिदान और व्यापार व्यवस्थाओं की व्याख्या कीजिए। **8**

अथवा

मौर्य साम्राज्य के इतिहास की रचना करने वाले किन्हीं चार स्रोतों को स्पष्ट कीजिए। मौर्य प्रशासन की व्यवस्था की परख कीजिए।

Model Test Paper-F.pmd 8 2/12/2018, 12:29 PM

PART-D

स्रोत आधारित प्रश्न

14. नीचे दिए गए उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— (7 × 3 = 21)

एक दैवी व्यवस्था

अपनी मान्यता को प्रमाणित करने के लिए ब्राह्मण बहुधा ऋग्वेद के *पुरुषसूक्त* मंत्र को उद्धृत करते थे जो आदिमानव पुरुष की बलि का चित्रण करता है। जगत् के सभी तत्व जिनमें चारों वर्ण शामिल हैं, इसी पुरुष के शरीर से उपजे थे।

ब्राह्मण उसका मुँह था, उसकी भुजाओं से क्षत्रिय निर्मित हुआ।

वैश्य उसकी जंघा थी, उसके पैर से शूद्र की उत्पत्ति हुई।

(*i*) चार वर्ण कौन-कौन से थे? **2**

(*ii*) पुरुषसूक्त के अनुसार चार वर्णों की उत्पत्ति किस प्रकार हुई थी? **2**

(*iii*) उचित जीविका के नियमों का पालन करवाने के लिए ब्राह्मणों ने कौन-कौन सी नीतियाँ अपनाईं? **3**

15. दिए गए उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

भारत में चाँदी कैसे आई?

जोवान्नी कारेरी के लेख (बर्नियर के लेख पर आधारित) के निम्नलिखित अंश से हमें पता चलता है कि मुग़ल साम्राज्य में कितनी भारी मात्रा में बाहर से धन आ रहा था :

(मुग़ल) साम्राज्य की धन-संपत्ति का अंदाज़ा लगाने के लिए पाठक इस बात पर गौर करें कि दुनिया भर में विचरने वाला सारा सोना-चाँदी आखिरकार यहीं पहुँच जाता है। ये सब जानते हैं कि इसका बहुत बड़ा हिस्सा अमेरिका से आता है, और यूरोप के कई राज्यों से होते हुए (इसका) थोड़ा-सा हिस्सा कई तरह की वस्तुओं के लिए तुर्की में जाता है; और थोड़ा-सा हिस्सा रेशम के लिए स्मिरना होते हुए फ़ारस पहुँचता है। अब चूँकि तुर्की लोग कॉफ़ी से अलग नहीं रह सकते, जो कि ओमान और अरबिया से आती है..... (और) न ही फ़ारस, अरबिया और तुर्की (के लोग) भारत की वस्तुओं के बिना रह सकते हैं। (वे) मुद्रा की विशाल मात्रा लाल सागर पर बेबल मंडेल के पास स्थित मोचा भेजते हैं; (इसी तरह वे ये मुद्राएँ) फ़ारस की खाड़ी पर स्थित बसरा भेजते हैं;..... बाद में ये (सारी संपत्ति) जहाज़ों से इंदोस्तान (हिंदुस्तान) भेज दी जाती है। भारतीय जहाज़ों के अलावा जो डच, अंग्रेज़ी और पुर्तगाली जहाज़ हर साल इंदोस्तान की वस्तुएँ लेकर पेगू, तानस्सेरी (म्यांमार के हिस्से), स्याम (थाइलैंड), सीलोन (श्रीलंका)..... मालदीव के टापू, मोज़ांबीक और अन्य जगह ले जाते हैं, (इन्हीं जहाज़ों को) निश्चित तौर पर बहुत सारा सोना-चाँदी इन देशों से लेकर वहाँ (हिंदुस्तान) पहुँचाना पड़ता है। वो सब कुछ, जो डच लोग जापान की खानों से हासिल करते हैं, देर-सवेर इंदोस्तान (को) चला जाता है; और यहाँ से यूरोप को जाने वाली सारी वस्तुएँ, चाहे वो फ्रांस जाएँ या इंग्लैंड या पुर्तगाल, सभी नकद में खरीदी जाती हैं, जो (नकद) वहीं (हिंदुस्तान में) रह जाता है।

(*i*) बर्नियर कौन था? **2**

(*ii*) मुग़लकाल में विश्व भर में विचरने वाला सारा सोना-चाँदी अंततः कहाँ और कैसे पहुँचता था? **3**

(*iii*) डच, अंग्रेज़ी और पुर्तगाली जहाज़ों द्वारा भारत में सोना-चाँदी किस प्रकार लाया जाता था? **2**

16. दिए गए उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

पृथक् निर्वाचिका पर अंबेडकर के विचार

दमित वर्गों के लिए पृथक् निर्वाचिका के प्रस्ताव पर महात्मा गांधी की दलीलों के जवाब में अंबेडकर ने लिखा था :

'हमारे सामने एक ऐसा वर्ग है जो निश्चय ही अस्तित्व के संघर्ष में खुद को कायम नहीं रख सकता। जिस धर्म से ये लोग बँधे हुए हैं वह उन्हें सम्मानजनक स्थान प्रदान करने की बजाय कोढ़ियों की तरह देखता है जिनके साथ सामान्य संबंध नहीं रखे जा सकते। आर्थिक रूप से यह ऐसा वर्ग है जो दो वक्त की रोटी के लिए सवर्ण हिंदुओं पर पूरी तरह आश्रित है; जिसके पास आजीविका का कोई स्वतंत्र साधन नहीं है। न केवल हिंदुओं के सामाजिक पूर्वाग्रहों के कारण उनके सारे रास्ते बंद हैं बल्कि समग्र इतिहास में हिंदू समाज ने उनके सामने खुलने वाली हर संभावना को बंद कर दिया है जिससे दमित वर्गों को जीवन में ऊपर उठने का कोई अवसर न मिल सके।'

इन परिस्थितियों में सभी निष्पक्ष सोच वाले व्यक्ति इस बात पर सहमत होंगे कि आज सबसे बड़ी आवश्यकता यही है कि ऐसे अपंग समुदाय के पास संगठित निरंकुशता के विरुद्ध जीवन के संघर्ष का एकमात्र रास्ता यही है कि उसे राजनीतिक सत्ता में हिस्सा मिले जिससे वह अपनी रक्षा कर सके...।

डॉ० बाबा साहेब अंबेडकर, ''व्हाट कांग्रेस एंड गांधी हैव डन टू दि अनटचेबल्स'',
राइटिंग्स एंड स्पीचेस, खंड 9, पृ० 312 से।

(*i*) महात्मा गांधी की पृथक् निर्वाचिका के विरुद्ध क्या दलीलें थीं? कोई दो लिखिए। **2**

(*ii*) डॉ० अंबेडकर ने दमित-वर्ग की सामाजिक और आर्थिक स्थिति का वर्णन किस प्रकार किया? **2**

(*iii*) दमितों की रक्षा के लिए वह क्या चाहते थे? इसके लिए उन्होंने क्या प्रस्ताव रखा था? **3**

PART-E

17.1 भारत के दिए गए रेखा-मानचित्र में अशोक के निम्नलिखित दिखाओ— **(5 × 1 = 5)**

(क) चोलों, केरलपुत्रों तथा पांड्यों के राज्य।

(ख) अशोक के तोपरा (टोपरा) तथा मेरठ के स्तंभ लेख।

17.2 भारत के दिए गए मानचित्र में 600 ई०पू०—600 ई० के तीन राज्य (A से C तक) दिखाए गए हैं। इनकी पहचान कीजिए तथा दी गई लाइनों पर इनके नाम लिखिए।

प्रश्न संख्या 17.1 तथा 17.2 के लिए मानचित्र

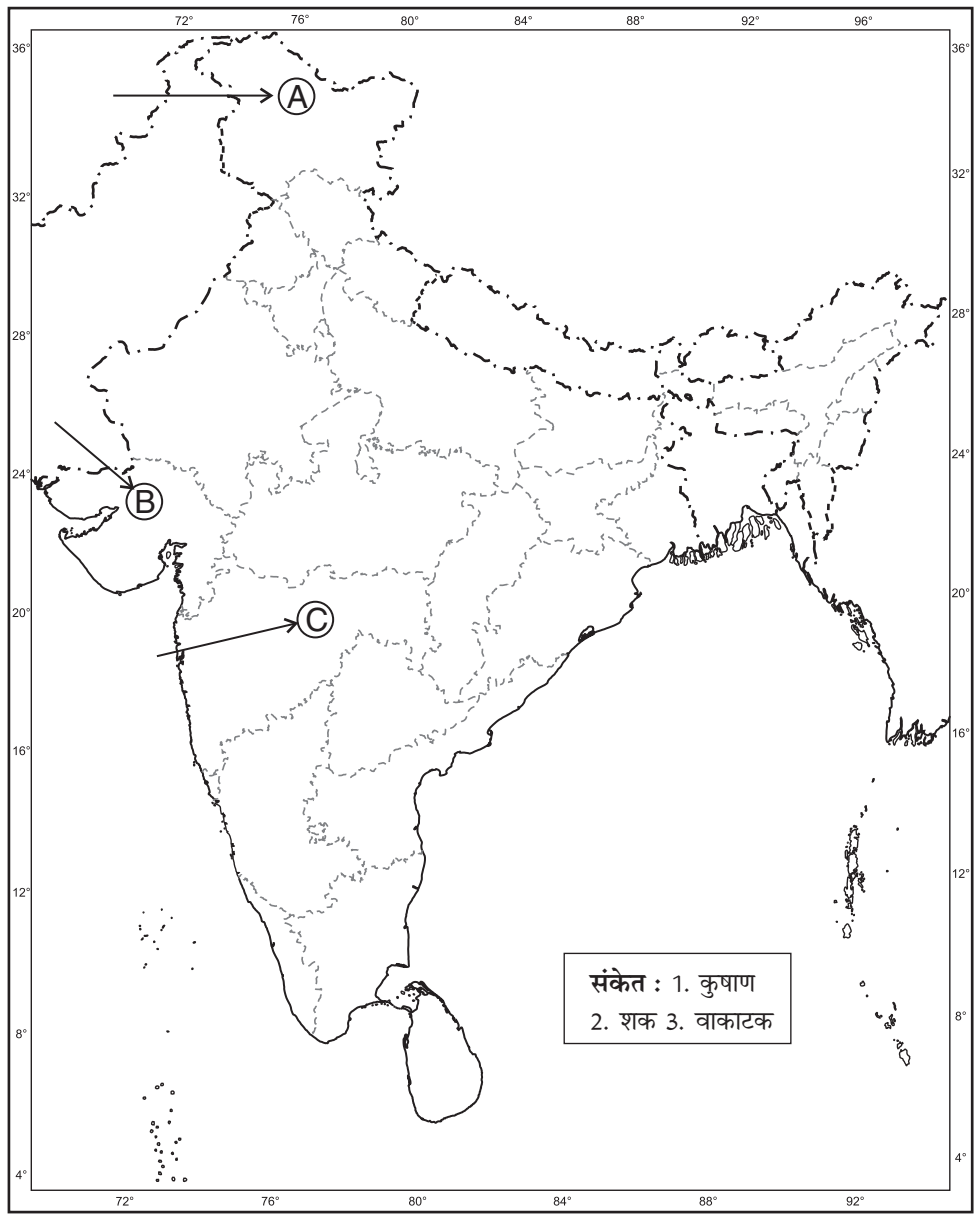

❑ ❑ ❑ ❑

सी०बी०एस०ई० प्रश्न-पत्र-2018

कक्षा : बारहवीं
विषय : इतिहास

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

(*i*) सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं।

(*ii*) प्रश्न संख्या 1 से 3 **दो** अंकों वाले हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 30 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

(*iii*) प्रश्न संख्या 4 से 9 **चार** अंकों वाले हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए। विद्यार्थियों को इस खण्ड से केवल पाँच प्रश्नों को हल करना चाहिए।

(*iv*) प्रश्न संख्या 10 **मूल्य** आधारित प्रश्न है और अनिवार्य है, यह प्रश्न भी चार अंक का है।

(*v*) प्रश्न संख्या 11 से 13 **आठ** अंकों वाले हैं। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 350 श्ब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

(*vi*) प्रश्न संख्या 14 से 16 स्रोत आधारित हैं। इनमें कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है।

(*vii*) प्रश्न संख्या 17 मानचित्र सम्बन्धी है, जिसमें लक्षणों को पहचानना तथा महत्वपूर्ण मदों को दर्शाना शामिल है। मानचित्र को उत्तर-पुस्तिका के साथ नत्थी कीजिए।

खंड–क

नीचे दिए गए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 2×3=6

1. पुरातत्वविदों के हड़प्पाकालीन संस्कृति में शिल्प उत्पादन के केन्द्रों की पहचान के आधार का वर्णन कीजिए। 2

2. भारत में मुगल शासन के दौरान ग्राम पंचायतों के राजस्व के स्रोतों की व्याख्या कीजिए। 2

3. 1859 में अंग्रेज़ों द्वारा पारित 'परिसीमन कानून' के प्रभाव की जाँच कीजिए। 2

खंड–ख

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 4×5=20

4. "हड़प्पाई समाज में जटिल फैसले लेने और उन्हें कार्यान्वित करने के संकेत मिलते हैं।" इस कथन के आलोक में स्पष्ट कीजिए कि क्या हड़प्पाई समाज में शासकों का शासन रहा होगा। 2

5. 600 ई. पू. से 600 ई. में देहात के लोगों की आर्थिक और सामाजिक स्थितियों का वर्णन कीजिए। 2+2=4

6. "इब्न बतूता ने भारतीय उपमहाद्वीप के शहरों को लोगों के लिए व्यापक अवसरों से भरपूर पाया।" दिल्ली शहर के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिए। 4

7. "धार्मिक और राजनीतिक संस्था के रूप में खिलाफ़त की बढ़ती हुई विषयशक्ति की प्रतिक्रिया के फलस्वरूप सूफ़ीवाद का विकास हुआ।" स्पष्ट कीजिए। 4

8. 1857 के विद्रोह में अवध के ताल्लुकदारों की सहभागिता की जाँच कीजिए। 4

Question Paper History_XII (H) (Delhi)-2018.indd 1 5/8/2018 11:18:55 AM

9. भारत में औपनिवेशिक काल के दौरान कुछ पर्वतीय स्थल (हिल स्टेशन) क्यों विकसित किए गए? स्पष्ट कीजिए। 4

अनुभाग II

मूल्य आधारित प्रश्न (अनिवार्य) 4×1=4

10. "1922 तक गाँधीजी ने भारतीय राष्ट्रवाद को एकदम परिवर्तित कर दिया और इस प्रकार फरवरी 1916 में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में अपने भाषण में किए गए वायदे को उन्होंने पूरा किया। अब यह व्यावसायिकों व बुद्धिजीवियों का ही आंदोलन नहीं रह गया था, अब हजारों की संख्या में किसानों, श्रमिकों और कारीगरों ने भी इसमें भाग लेना शुरू कर दिया। इनमें से कई गाँधीजी के प्रति आदर व्यक्त करते हुए उन्हें अपना 'महात्मा' कहने लगे। उन्होंने इस बात की प्रशंसा की कि गाँधीजी उनकी ही तरह के वस्त्र पहनते थे, उनकी ही तरह रहते थे और उनकी ही भाषा में बोलते थे, अन्य नेताओं की तरह वे सामान्य जनसमूह से अलग नहीं खड़े होते थे, बल्कि वे उनसे सहानुभूति रखते तथा उनसे घनिष्ठ संबंध भी स्थापित कर लेते थे।"

ऊपर दिए गए उद्धरण के आलोक में महात्मा गाँधी द्वारा दर्शाए गए किन्हीं चार मूल्यों को उजागर कीजिए। 4

खंड–ग

दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न 8×3=24

11. वर्णन कीजिए कि बौद्ध धर्म का विकास किस प्रकार हुआ है। बुद्ध की मुख्य शिक्षाओं की व्याख्या कीजिए। 4+4=8

अथवा

वर्णन कीजिए कि स्तूपों का निर्माण किस प्रकार किया गया। साँची के स्तूप संरक्षित रहे, परन्तु अमरावती के स्तूप संरक्षित नहीं रहे, ऐसा क्यों? स्पष्ट कीजिए। 4+4=8

12. भारत में मुगल शासकों द्वारा अभिजात-वर्ग में विभिन्न जातियों और धार्मिक समूहों के लोगों की भर्ती क्यों की जाती थी? व्याख्या कीजिए। 8

अथवा

मुगल साम्राज्य में शाही परिवार की महिलाओं द्वारा निभाई गई भूमिका की व्याख्या कीजिए। 8

13. "बीसवीं सदी के प्रारम्भिक दशकों के दौरान शुरू हुई साम्प्रदायिक राजनीति देश के विभाजन के लिए मुख्यत: उत्तरदायी थी।" कथन की जाँच कीजिए। 8

अथवा

"भारत के विभाजन के कारण राष्ट्रवादी नेता पृथक् निर्वाचिका के प्रस्ताव पर और भड़कने लगे थे।" कथन की जाँच कीजिए। 8

खंड–घ

स्रोत आधारित प्रश्न 7×3=21

14. निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

'उचित' सामाजिक कर्तव्य

महाभारत के आदिपर्वन् से एक कहानी उद्धृत है:

एक बार ब्राह्मण द्रोण के पास, जो कुरु वंश के राजकुमारों को धनुर्विद्या की शिक्षा देते थे, एकलव्य नामक वनवासी निषाद (शिकारी समुदाय) आया। द्रोण ने जो धर्म समझते थे, उसे शिष्य के रूप में स्वीकार करने से मना कर दिया। एकलव्य ने वन में लौट कर मिट्टी से द्रोण की प्रतिमा बनाई तथा उसे अपना गुरु मानकर वह स्वयं ही तीर चलाने का अभ्यास करने लगा। समय के साथ वह तीर चलाने में सिद्धहस्त हो गया। एक दिन कुरु राजकुमार अपने कुत्ते के साथ जंगल में शिकार करते हुए एकलव्य के समीप पहुँच गए। कुत्ता काले मृग की चमड़ी के वस्त्र में लिपटे निषाद को देखकर भौंकने लगा। क्रोधित होकर एकलव्य ने एक साथ सात तीर चलाकर उसका मुँह बंद कर दिया। जब वह कुत्ता लौटा तो पांडव तीरंदाजी का यह अद्भुत दृश्य देखकर

आश्चर्यचकित हो गए। उन्होंने एकलव्य को तलाशा, उसने स्वयं को द्रोण का शिष्य बताया।

द्रोण ने अपने प्रिय अर्जुन से एक बार यह कहा था कि वह उनके सभी शिष्यों में अद्वितीय तीरंदाज बनेगा। अर्जुन ने द्रोण को उनका यह प्रण याद दिलाया। द्रोण एकलव्य के पास गए जिसने उन्हें अपना गुरु मानकर प्रणाम किया। तब द्रोण ने गुरु दक्षिणा के रूप में एकलव्य से उसके दाहिने हाथ का अँगूठा माँग लिया। एकलव्य ने फौरन गुरु को अपना अँगूठा काट कर दे दिया। अब एकलव्य तीर चलाने में उतना तेज़ नहीं रहा। इस तरह द्रोण ने अर्जुन को दिए वचन को निभाया: कोई भी अर्जुन से बेहतर धर्नुधारी नहीं रहा।

(14.1) द्रोण ने एकलव्य को अपना शिष्य बनाने से मना क्यों किया? 2

(14.2) द्रोण ने अर्जुन को दिए अपने प्रण को कैसे पूरा किया? 2

(14.3) क्या आप द्रोण के व्यवहार को एकलव्य के प्रति न्यायसंगत ठहराते हो? यदि ऐसा है, तो एक कारण दीजिए। 3

15. निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

कॉलिन मैकेन्जी

1754 ई॰ में जन्मे कॉलिन मैकेन्जी ने एक अभियंता, सर्वेक्षक तथा मानचित्रकार के रूप में प्रसिद्धि हासिल की। 1815 में उन्हें भारत का पहला सर्वेयर जनरल बनाया गया और 1821 में अपनी मृत्यु तक वे इस पद पर बने रहे। भारत के अतीत को बेहतर ढंग से समझने और उपनिवेश के प्रशासन को आसान बनाने के लिए उन्होंने इतिहास में संबंधित स्थानीय परंपराओं का संकलन तथा ऐतिहासिक स्थलों का सर्वेक्षण करना आरंभ किया। वे कहते हैं, "ब्रिटिश प्रशासन के सुप्रभाव में आने से पहले दक्षिण भारत खराब प्रबंधन की दुर्गति से लंबे समय तक जूझता रहा।" विजयनगर के अध्ययन से मैकेन्जी को यह विश्वास हो गया कि कंपनी, "स्थानीय लोगों के अलग-अलग कबीलों, जो इस समय भी जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा थे, को अब भी प्रभावित करने वाले इनमें से कई संस्थाओं, कानूनों तथा रीति-रिवाज़ों के विषय में बहुत महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ" हासिल कर सकती थी।

(15.1) कॉलिन मैकेन्जी कौन था? 2

(15.2) मैकेन्जी ने विजयनगर साम्राज्य की पुन: खोज का प्रयास किस प्रकार किया? 2

(15.3) ईस्ट इण्डिया कंपनी के लिए विजयनगर साम्राज्य का अध्ययन किस प्रकार उपयोगी था? 3

16. निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

"कल हम नमक कर कानून तोड़ेंगे"

5 अप्रैल, 1930 को महात्मा गाँधी ने दाण्डी में कहा था:

जब मैं अपने साथियों के साथ दाण्डी के इस समुद्रतटीय टोले की तरफ चला था तो मुझे यकीन नहीं था कि हमें यहाँ तक आने दिया जाएगा। जब मैं साबरमती में था तब भी यह अफ़वाह थी कि मुझे गिरफ़्तार किया जा सकता है। तब मैंने सोचा था कि सरकार मेरे साथियों को तो दाण्डी तक आने देगी लेकिन मुझे निश्चय ही यह छूट नहीं मिलेगी। यदि कोई यह कहता कि इससे मेरे हृदय में अपूर्ण आस्था का संकेत मिलता है तो मैं इस आरोप को नकारने वाला नहीं हूँ। मैं यहाँ तक पहुँचा हूँ, इसमें शांति और अहिंसा का कम हाथ नहीं है, इस सत्ता को सब महसूस करते हैं। अगर सरकार चाहे तो वह अपने इस आचरण के लिए अपनी पीठ थपथपा सकती है क्योंकि सरकार चाहती तो हममें से हरेक को गिरफ़्तार कर सकती थी। जब सरकार यह कहती है कि उसके पास शांति की सेना को गिरफ्तार करने का साहस नहीं था तो हम उसकी प्रशंसा करते हैं। सरकार को ऐसी सेना की गिरफ्तारी में शर्म महसूस होती है। अगर कोई व्यक्ति ऐसा काम करने में शर्मिंदा महसूस करता है जो उसके पड़ोसियों को भी रास नहीं आ सकता, तो वह एक शिष्ट-सभ्य व्यक्ति है। सरकार को हमें गिरफ़्तार न करने के लिए बधाई दी जानी चाहिए भले ही उसने विश्व जनमत का खयाल करके ही यह फैसला क्यों न लिया हो।

कल हम नमक कर कानून तोड़ेंगे। सरकार इसको बर्दाश्त करती है कि नहीं, यह सवाल अलग है। हो सकता है सरकार हमें ऐसा न करने दे लेकिन उसने हमारे जत्थे के बारे में जो धैर्य और सहिष्णुता दिखायी है उसके लिए वह अभिनंदन की पात्र है.....।

यदि मुझे और गुजरात व देश भर के सारे मुख्य नेताओं को गिरफ़तार कर लिया जाता है तो क्या होगा? यह आंदोलन इस विश्वास पर आधारित है कि जब एक पूरा राष्ट्र उठ खड़ा होता है और आगे बढ़ने लगता है तो उसे नेता की ज़रूरत नहीं रह जाती।

(16.1) जब महात्मा गाँधी ने दाण्डी यात्रा शुरू की थी तो उनको कौन-सी आशंकाएँ थीं ? 2

(16.2) गाँधीजी ने ऐसा क्यों कहा कि इसके लिए सरकार बधाई की पात्र है? 2

(16.3) 'नमक यात्रा' बहुत महत्त्वपूर्ण क्यों थी? 3

खंड–ङ
(मानचित्र प्रश्न)

5×1=5

17. (17.1) **भारत** के दिए गए राजनीतिक रेखा-मानचित्र (पृष्ठ 15 पर), में निम्नलिखित को उपयुक्त चिन्हों से दर्शाइए तथा उनके नाम लिखिए: 1×2=2

(क) अमृसर–राष्ट्रीय आंदोलन का महत्वपूर्ण केन्द्र।

(ख) आगरा–बाबर के अधीन एक क्षेत्र।

(17.2) **भारत** के दिए गए इसी राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर, तीन स्थान जो प्रमुख बौद्ध स्थल हैं, A, B और C से अंकित किया गया है। उन्हें पहचानिए और उनके सही नाम उनके पास खींची गई रेखाओं पर लिखिए। 1×3=3

नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों** के लिए प्रश्न संख्या 17 के स्थान पर हैं:

(17.1) राष्ट्रीय आंदोलन के किसी एक केन्द्र का नाम लिखिए।

(17.2) बाबर के अधीन किसी एक क्षेत्र का नाम लिखिए।

(17.3) किन्हीं तीन बौद्ध स्थलों के नाम लिखिए। 1+1+3=5